अध्यक्ष महोदय : आपने इसमें लिखा है 'factors beyond the control of the Railways'. Why should it be written like this? This is what agitates the minds of the Members.

श्री केदार पांडे : अभी जो गड़बड़ी है जिसकी वजह से पंक्चुएलिटी नहीं आ सकी उसको मैं बता रहा हूं। वैसे मैं कंट्रोल लाने की कोशिश कर रहा हूं।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी ने जो पूछा कि ऐसे कौन से कारण हैं जो आपके कंट्रोल से बाहर है? उनको बताइये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, आपने जो सवाल पूछा था उसका जवाब नहीं मिला?

श्री राम विलास पासवान : सर्वप्रथम तो अध्यक्ष जी, मुझे यह कहना है कि मंत्री जी ने अधूरा जवाब दिया है। और (ख) मे पूछा गया है कि "यदि हां, तो उन राज्यों के नाम क्या है जिनमें रेलगाडियों का देरी से चलना एक आम बात हो गई है?" इसका कही कोई उल्लेख मंत्री जी के जवाब मे नहीं है। मै बहुत गम्भीरता के साथ कहना चाहता हू कि यह एक वर्ष का मामला नही है। मै समझता हू कि हमारे साथी श्री रामजी भाई डामोर और हम लोग आ रहे थे 13 तारीख को और पूरी पार्लियामेंटरी कमेटी आ रही थी मद्रास से और हम लोग 16 तारीख को यहा पहुंचे।....

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : पहुंच तो गये, कही बीच मे ही रह जाते।

श्री राम विलास पासवान : रास्ते मे दो जगह ऐक्सीडेंट होते होते बचा और 25 गज की दूरी पर एक्सीडेंट की जगह थी। और मैं कहता हूं पांडे जी, जब हम लोग सफर कर रहे थे एक भी आदमी के दाना पानी के लिये रेलवे की तरफ से कोई व्यवस्था नहीं की गई, और जो रेलगाड़ी 4 घंटे लेट होती है उसको जानबूझ करके 24 घंटे लेट किया गया।....

एक एक माननीय सदस्य : 36 घंटे लेट हुई।

श्री राम विलास पासवान : और हम लोगों ने जा कर के जब बोरेबल स्टेशन पर कम्पलेंट दर्ज करायी तो हमें कहा गया कि ट्रेन लेट होगी इसको भगवान भी नहीं बचा सकता है। और जब डी०आर०एम० से बात करने की कोशिश की तो उससे बात नहीं करने दिया गया। तो आज आपकी रेलगाड़ियां जो आपने कहा कि जंजीर खींचने आदि की वजह से लेट चल रहीं हैं, इन सब के बावजूद आपके प्रशासन की ढिलाई और आपकी निष्क्रियता के कारण यह सारी गाड़ियां लेट हो रही हैं और आप स्वयं जिम्मेदार है उसके लिये। आपको क्या सजा देनी चाहिये, आपके प्रशासन को क्या सजा मिलनी चाहिये यह आप बताये?

श्री केदार पांडे : मैंने यह बात कही थी कि पंचुएलिटी अभी नहीं आ सकती है, कुछ कठिनाइया हमारे सामने है, उन पर भी कंट्रोल करने की मै कोशिश कर रहा हू, कठिनाई यह है कि स्टीम लोकोमोटिव और डीज़ल लोकोमोटिव की हालत बहुत खराब है, उनको ठीक कर रहे है। रोलिंग स्टाक में भी खराबी है, उसको ठीक कर रहा हूं, कंट्रोल मे ला रहा हू, अभी थोड़ी डिफिकल्टी है।

अध्यक्ष महोदय : पूरा कंट्रोल करिये।

भारतीय तीर्थ यात्रियों को मानसरोवर और कैलाश की यात्रा तथा उत्तर प्रदेश के साथ तिब्बती सीमा के दरों का खुलना

+

*162. **श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत** :

श्री अर्जुन सेठी :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीय तीर्थ यात्रियों की मान-

सरोवर और कैलास की यात्रा तथा उत्तर प्रदेश के साथ तिब्बती सीमा के दर्रों को व्यापार के लिए खोलने के बारे में चीन के विदेश मंत्री से हुई उनकी बातचीत का क्या परिणाम निकला ?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : इस बातचीत के दौरान और बाद में अपने प्रेस सम्मेलन में भी चीन के विदेश मंत्री ने यह बताया था कि इस मानसून के बाद भारतीय तीर्थ-यात्री कैलास और मानसरोवर की यात्रा पुन शुरू कर सकेंगे। इस वर्ष अस्थाई तौर पर 80 तीर्थ-यात्रियों के लिए व्यवस्था की जायेगी और ये दल 20-20 व्यक्तियों से अधिक नहीं होंगे। लेकिन कठिन भू-भाग में आवश्यक प्रशासनिक और आधारिक संरचना से सम्बद्ध प्रबन्ध करने के लिए चूंकि पर्याप्त समय नहीं रह गया है इस लिए इस वर्ष केवल 60 तीर्थ-यात्री ही कैलास और मानसरोवर की यात्रा कर सकेंगे। आगामी वर्षों में दोनों सरकारों के परामर्श से इस संख्या मे वृद्धि की जायेगी और स्थाई प्रबन्ध किये जायेंगे।

हम कैलास और मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए प्रबन्ध करने के उद्देश्य से चीन के प्राधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं। बड़े-बड़े सभी दैनिक समाचार-पत्रो मे इसके बारे में घोषणा कर दी गई है जिनमें भावी तीर्थ-यात्रियों से आवेदन-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया और इस तीर्थ यात्रा को सुविधा-जनक बनाने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किये गये सामान्य प्रबन्धों की रूपरेखा बताई गई है।

चीन में विदेश मंत्री की हाल की भारत यात्रा के दौरान तिब्बत के साथ व्यापार के लिए उत्तर प्रदेश सीमा-मार्ग खोलने पर बातचीत नहीं की गई थी।

श्री हरीश चंद्र सिंह रावत : सभापति महोदय, कैलाश-मानसरोवर यात्रा लाइन खोलने के लिए जो प्रयत्न मंत्री महोदय ने किये हैं, उसके लिए मेरी तरफ से भी और डा० सुब्रह्मण्यमस्वामी की तरफ से भी वह और उसका मंत्रालय बधाई के पात्र हैं और यह केवल अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया के लिए ही नहीं, बल्कि जो हमारे धार्मिक विश्वास के लोग हैं, उनके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

इस सन्दर्भ में मैं यह जानना चाहता था कि मानसरोवर और कैलाश के लिए दो रूट में से एक रूट तो नीति पास हो कर जा रहा है और दूसरा रूट पिथौरागढ़, धार चूला, सिर्खा, गर्व्यांग व तकलाकोट होकर जा रहा है। दोनो यात्रा मार्गों मे जो नीति पास वाला मार्ग है, उसमे एक दिन ज्यादा लगता है और जो परम्परागत मार्ग है पिथौरागढ़ धारचूला, सिर्खा, ब्यांग व तकलाकोट का इसमे एक दिन कम लगता है। यह सुविधाजनक भी अधिक है। मैं यह जानना चाहता हू कि कौन से मार्ग, परम्परागत मार्ग का ही अनुसरण करने जा रहे है या दूसरे मार्ग का ? जो 7 सितम्बर को यात्रियों के जाने की घोषणा हुई है, उसमें वह कौन से मार्ग का अनुसरण करेंगे ? परम्परागत मार्ग को ही अपनायें गे या नीति पास वाले मार्ग को लेंगे ? चीन के साथ बातचीत जरूर हुई होगी कि कौनसा रूट अपनाया जायेगा, मंत्री महोदय यह जानकारी देने का कष्ट करें।

श्री पी० वी० नरसिंह राव : श्रीमन, मेरे पास यह जानकारी नहीं है कि किस रास्ते से इनको ले जाया जायेगा। मुझे लगता है कि पता कर के बतायेंगे,

शायद इसके बारे में पूरा फैसला हुआ नहीं है । यदि हुआ है, तो मेरे पास उसकी तफसील नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : कोई फर्क पड़ता है क्या, किसी मार्ग से भी जायें ?

श्री पी० वी० नरसिंह राव : यह कह रहे हैं कि एक दिन का फर्क पड़ता है । मैं पता कर के बताऊंगा ।

श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत : जैसी कि हमारी जानकारी है—उससे लगे हुए एरिया में खबर है—कि हमारे जो यात्री मानसरोवर-कैलाश जायेंगे, चीन ने तकला-कोट में उनके स्वागत और सुविधा का बहुत अच्छा प्रबन्ध किया है । हमारी तरफ से कौन सी एजेन्सी इस यात्रा को स्पान्सर करेगी और कौन-सी एजेन्सी इसका प्रबन्ध करेगी, इस संदर्भ में अभी कोई बात निर्धारित नहीं हुई है । मैं माननीय विदेश मंत्री से यह भी जानना चाहूंगा कि यह मानसरोवर-यात्रा पहली बार हो रही है और यह बड़ी इम्पार्टेण्ट यात्रा है, इसका बड़ा व्यापक प्रचार होगा, इस लिए क्या इसके लिए सब प्रबन्ध और सुरक्षा आदि की व्यवस्था कर ली गई है ।

श्री पी० वी० नरसिंह राव : यह सब प्रबन्ध हो रहा है । अभी हमारे पास जो जानकारी है, वह यह है :—

"According to information made available by the Chinese side, pilgrims are to bring their own beddings, sleeping baks as well as their daily necessities (food inclusive) as there are no other facilities available apart from the tented accommodation at Kailash and Mansarover. Guest house facilities are available only at Pulanchong, the first point of halt after crossing the border. The entry and ex't point for the pilgrimages will be Lipulekh pass.

वहाँ तक हमें ले आयेंगे और वहाँ से वे लोग ले जायेंगे

The means of transport and board and lodging arrangements on the Chinese side of the border will be arranged by the Chinese. The pilgrims will have to pay for their food, accommodation and transport in U.S. dollars. Pilgrims desirous of undertaking 'parikrama' will have to travel on foot and carry their own provisions." एडवरटाइजमेंट की कापी भी दी गई है । शायद आपने अखबारों में देखी होगी ।

SHRI CHINGWANG KONYAK: Mr. Speaker, Sir, I would like to know from the Minister in Charge whether during the visit of the Chinese Foeign Minister to India, the Government of India has discussed about the arming and training of the underground Nagas by the Chinese Government. If so, what was the reply given by the Chinese Government?

MR. SPEAKER: It does not concern this.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: In these matters the reply has been a standard reply. This has nothing to do with the question would like...

MR. SPEAKER: No, no. I do not allow that.

श्री चरण सिंह : कैलाश और मानसरोवर के साथ हमारे इतिहास में हिन्दुस्तानियों का एक भावनात्मक सम्बन्ध रहा है । वे हमारे तीर्थ-स्थान हैं । मैं गवर्नमेंट से यह जानना चाहता हूं कि क्या कारण हुआ है कि वहां जाने के लिए हमको एक दूसरी गवर्नमेंट—चाइना की गवर्नमेंट—से इजाजत लेने की नौबत आई है ।

श्री पी० वी० नरसिंह राव : मैं इतिहास में कैसे जाऊं ? आज का यह हाल है

कि यह तिब्बत में है और तिब्बत चीन में है और अगर हम वहां जाना चाहते हैं, तो हमें उनसे इजाजत लेनी होगी ।

SHRI RATANSINH RAJDA: The hon. Minister has stated that after some route all the pilgrims will have to traverse on foot. How much will be the mileage? How long that road would be? People go there for self-purification. I would like to know whether the entire Cabinet also will go for self-purification.

MR. SPEAKER: Next question. Mr. Mani Ram Bagri.

(*Interruptions*)

SHRI RATANSINH RAJDA: Mr. Speaker, Sir, the hon. Minister is giving the mileage. (*Interruptions*). Mr. Speaker, Sir, I have asked a question. At least you will have to allow some sense of humour in this House.

MR SPEAKER: Please do not try to raise it.

SHRI RATANSINH RAJDA: I have asked about the mileage. My question is in two parts. First is, how long they will have to traverse on foot. That is what I have asked.

(*Interruptions*).

अध्यक्ष महोदय : इसमें ह्यूमर है क्या ? आप क्यों वक्त जाया करना चाहते है ? (*Interruptions*) No.

एक माननीय सदस्य : बहुत कुछ है .....

SHRI RATANSINH RAJDA: What is wrong in the question which I have put? My question was how long they will have to travel on foot? Let this point be answered if you do not like the second point.

अध्यक्ष महोदय : आप को उत्तर लिख कर भेज देंगे माइलेज का ।

SHRI RATANSINH RAJDA: The hon. Minister will tell us.

श्री हरिकेश बहादुर : मैंने बहुत देर से आप से कहा है । आप कभी भी एलाऊ नहीं करते है ... (व्यवधान) .. यह चीज ठीक नहीं है ।

SHRI RATANSINH RAJDA: You are unecessarily harsh.

MR. SPEAKER: You have to co-operate with me.

SHRI RATANSINH RAJDA: Hon. Minister is answering. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं जितना कर रहा हूं, आप का ही बनाया हुआ अनुबन्ध है कि आठ मिनट ज्यादा से ज्यादा एक सवाल पर सप्लीमेंट्री किया करें । अगर वह नहीं करते है तो एक ही सवाल पर कर लिया करें, मुझे क्या एतराज हो सकता है ?

(*Interruptions*)

No discussion allowed.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing. No discussion. I have to go according to what I think fit.

मैं एक बात कहना चाहता हू, सदन से, बार-बार कहना पडता है, आप 527 सदस्य आज सदन में हैं और 527 सदस्य सारे बिलकुल बुद्धिजीवी वर्ग के है, आप काम करते हैं, आप में इच्छा है बात करने की, सप्लीमेंट्री पूछने की क्षमता है सारे में और सारे ही पूछना चाहते हैं । लेकिन कितना समय आप के पास है ? 1 घण्टा है 60 मिनट जिस में होते हैं । 60 मिनट में कितने सवाल करना चाहते

हैं यह आप पर निर्भर करता है। मुझे कोई एतराज नहीं है अगर एक सवाल पर ही आप करना चाहते हैं तो मैं सारे सप्लीमेंट्री इसी एक ही सवाल पर करवा दूं। तीन चार सवालों से ज्यादा एक सवाल पर सप्लीमेंट्रीं करेंगे तो उस में ज्यादा वक्त लगेगा। . . (व्यवधान)... शारीरिक प्रतिबन्ध है इस पर। और कुछ हो नहीं सकता है।

(व्यवधान)

श्री रामावतार शास्त्री : आप मुझे कभी नहीं बुलाते है।

अध्यक्ष महोदय : आप को वहम है।

श्री रामावतार शास्त्री : आप कभी नहीं बुलाते है, इस सदन में मैं ने कई दफा नोट किया है। इस सैशन में आप ने कभी नहीं बुलाया... (व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय : हो सकता है, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं कोई मशीन तो हूं नहीं।

श्री रामावतार शास्त्री : आप देखते हैं और नहीं बुलाते है, दूसरों को समय देते हैं.....

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I cannot please all my people, all my hon. Members. There are Members who have not put a question so far, Mr. Shastri.

SHRI HARIKESH BAHADUR: You should not displease one Member continuously.

MR. SPEAKER: That could be.

सीमेंट की चोरी

*163. श्री मनीराम बागड़ी : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आम तौर पर रेलवे-साइडिंग में सीमेंट की चोरी की जाती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने सीमेंट की 250 बोरियों से लदा एक ट्रक शकूरबस्ती के निकट पकड़ा था; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रकार की चोरी रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की जा रही है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c). A statement is placed on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Some pilferage of cement occasionally occurs on the Railways.

(b) There was no theft of cement from Shakurbasti railway siding in this case. However, on 8-7-81, a party of the Delhi Police intercepted a truck No. DHG—5601 near Shalimar village situated on G. T. Karnal Road, while the Cement bags loaded in the truck, after their delivery at Shakurbasti railway siding by the Railways to the lawful consignee, i.e., a representative of the Delhi Development Authority, were being smuggled to Panipat instead of the D.D.A. Godown, Okhla.

(c) The Northern Railway is taking the following steps in this regard:—

(i) Staff are deputed round-the-clock to guard the cement stocks within the railway siding, Shakurbasti.